

अंक-योजना (Marking Scheme) XII Class 2015
संस्कृतम् (Sanskrit Core) Set 4 (Code 22)

कृपया ध्यान दीजिए :

- 1। कुछ प्रश्नों के विकल्पात्मक उत्तर भी हो सकते हैं। इस अंक योजना में दिए गए उत्तर निदर्शनात्मक हैं। इनके अतिरिक्त भी संदर्भानुसार सही उत्तर हो सकते हैं, अतः अंक दिए जाएँ।
- 2। अनुच्छेद अथवा श्लोकों पर आधारित प्रश्न अवबोधनात्मक हैं। विद्यार्थी अनुच्छेद में दिए गए शब्दों के स्थान पर पर्यायवाची शब्दों का प्रयोग भी कर सकते हैं इसके लिए भी अंक दिए जाएँ। विद्यार्थी उत्तर देते समय उपयुक्त विभक्ति अथवा वचन का प्रयोग नहीं करते तो अंशतः अंक काटे जाएँ संपूर्ण नहीं।
- 3। त्रुटिपूर्ण वर्तनी अथवा व्याकरणात्मक प्रयोगों के लिए अनुपाततः अंक काटे जाएँ न कि पूरे अंक।
- 4। आंशिक दृष्टि से सही उत्तरों के लिए भी अंशतः अंक अवश्य दिए जाएँ।

संकेतात्मक उत्तर व अंक विभाजन :

खण्ड: 'क' (Section-A)(अपठित अवबोधनम्)

10 अङ्काः

- 1। (अ) एकपदेन उत्तरत। प्रत्येक भाग के लिए $\frac{1}{2}$ अंक।

$\frac{1}{2} \times 4 = 2$

- (i) गौतमीनामधेयायाः
- (ii) काष्ठखण्डानि
- (iii) विलात
- (iv) वन्यफलानि / वन्यफलम्

- (ब) पूर्णवाक्येन उत्तरत - दो प्रश्न। प्रत्येक भाग के लिए 1 अंक।

$1 \times 2 = 2$

- (i)यत् जातस्य निधनम् अवश्यमेव भवति.....जीवति।
- (ii) गौतमी स्वकीयं मृतं पुत्रं पुनः जीवयितुं प्रार्थितवती।

- (स) यथानिर्देशम् उत्तरत- चार प्रश्न। प्रत्येक भाग के लिए 1 अंक।

$1 \times 4 = 4$

- (i) मधुराणि
- (ii) निधनम्
- (iii) गत्वा / निर्गत्य
- (iv) बुद्धः

- (द) 'गौतमीकथा' / गौतमीगाथा / मृतः पुनः न जीवति अथवा अन्य उपयुक्त शीर्षक 2

खण्ड: 'ख' (Section-B)(रचनात्मकं कार्यम्)

15 अङ्काः

- 2। पत्रलेखनम् - 10 रिक्तस्थान। प्रत्येकभाग के लिए $\frac{1}{2}$ अंक।

$\frac{1}{2} \times 10 = 5$

- | | |
|----------------|---------------------|
| (i) तत्रास्तु | (vi) ऊर्णावस्त्राणि |
| (ii) हिमालयस्य | (vii) सरलाः |
| (iii) हिमानी | (viii) दृश्यते |
| (iv) राजते | (ix) आनन्दम् |
| (v) प्रवहति | (x) मातापितृचरणेषु |

3 | लघुकथा- 10 रिक्तस्थान | प्रत्येकभाग के लिए 1/2 अंक।

1/2 × 10 = 5

- | | |
|---------------|-----------------|
| (i) वृने | (vi) वनराज ! |
| (ii) वृक्षस्य | (vii) सहायताम् |
| (iii) मूषकः | (viii) श्रुत्वा |
| (iv) निद्रा | (ix) तम् |
| (v) क्रन्दन् | (x) व्याधैः |

4 | चित्रलेखनम्

1 × 5 = 5

बच्चों से सरल, संक्षिप्त वाक्य अपेक्षित है। केवल वाक्य की शुद्धता देखी जाए। इस प्रश्न का प्रमुख उद्देश्य वाक्य रचना है। वाक्य लघु अथवा दीर्घ हो यह महत्वपूर्ण नहीं। व्याकरणिक दृष्टि से शुद्ध होने पर पूर्ण अंक दिए जाएँ। मंजूषा में दिए गए शब्द सहायतार्थ हैं, बच्चे शब्द चुने अथवा नहीं - आवश्यक नहीं। वे स्वयं शब्दों का प्रयोग कर वाक्य -निर्माण कर सकते हैं। बच्चे स्वयं भी मंजूषा में दिए गए शब्दों की विभक्तियाँ आदि भी बदल सकते हैं अतः अंक दिए जाएँ। त्रुटियों के अंक अंशतः काटे जाएँ। पूर्णतया शुद्ध होने पर ही 5 अंक दिए जाएँ। प्रत्येक वाक्य के लिए 1 अंक हैं।

खण्डः 'ग' (Section-C)(अनुप्रयुक्त व्याकरणम्)

30 अंकाः

5 | संधिच्छेद - आंशिक दृष्टि से सही उत्तर के लिए आंशिक अंक अवश्य दिए जाएँ। प्रत्येक के लिए 1 अंक है।

1 × 6 = 6

- (i) एतानि + अपि
- (ii) मणिः + आकाश
- (iii) इतः + देवः
- (iv) प्राचीनः / प्राचीनस् + च
- (v) मम + उपवासः
- (vi) हितात् + न

6 | समस्तपदविग्रह - इस प्रश्न का मूल उद्देश्य 'समस्तपद' व 'विग्रह' की समझ है। प्रत्येक के लिए 1 अंक है।

1 × 6 = 6

- (i) न हिंसया
- (ii) पुण्डरीकाणां पटलस्य
- (iii) अहः च रात्रिः च अनयोः / तयोः समाहारः
- (iv) स्थानम् अनतिक्रम्य
- (v) बहवः मत्स्याः यस्मिन् सः
- (vi) मूढा धीः येषां ते

7 | प्रकृति - प्रत्यय - बच्चे केवल उत्तर लिख सकते हैं। अतः पूर्ण अंक दिए जाएँ। प्रत्येक भाग के लिए 1 अंक।

1 × 8 = 8

- (i) आश्रित्य
- (ii) विभूतिः
- (iii) पिशुनता
- (iv) श्रोतुम्
- (v) भगवन्तम्
- (vi) आगन्तव्यम्
- (vii) विज्ञप्तिः
- (viii) वैतालिकः

8। कर्तृक्रियापद अन्वितिः - इस प्रश्न में मञ्जूषा से चुनकर शब्द लिखने हैं। प्रत्येक भाग के लिए 1 अंक $1 \times 5 = 5$

- | | |
|-------------------|----------------------|
| (i) तिष्ठति | (i) निशिता |
| (ii) अभविष्यत् | (ii) साहसिकम् |
| (iii) पुनर्भवन्ति | (iii) सूनुता |
| (iv) शोभन्ते | (iv) निरुद्धचेष्टस्य |
| (v) जीवति | (v) अस्मिन् |

अथवा Or

9। विभक्ति प्रयोग संबंधी इस प्रश्न में प्रत्येक रिक्तस्थान के लिए 1 अंक है।

$1 \times 5 = 5$

- (i) स्वभावात्
(ii) सूर्यम्
(iii) देवेन
(iv) विश्वेषाम्
(v) भवते अथवा भवद्भ्याम् अथवा भवद्भ्यः

खण्डः 'घ 1' (Section-D-I)(पठितांश-अवबोधनम्)

35 अङ्काः

10। इस प्रश्न का मूल उद्देश्य अवबोधन परीक्षण है। बच्चे पर्यायवाची शब्दों का प्रयोग कर सकते हैं। पूर्ण अंक दिए जाएँ। आंशिक सही होने पर भी आंशिक अंक दिए जाएँ।

(क) पद्यं (अ) एकपदेन उत्तरत - - दो प्रश्न। प्रत्येक के लिए $\frac{1}{2}$ अंक।

$\frac{1}{2} \times 2 = 1$

(i) त्रयः

(ii) जलाशयम्

(ब) पूर्णवाक्येन उत्तरत - एक प्रश्न के लिए 1 अंक।

1

हृदः बहुमत्स्यः आसीत्।

(स) यथानिर्देशम् उत्तरत - 4 प्रश्न।

(i) मत्स्यजीविभिः

$\frac{1}{2}$

(ii) आहारवृत्तिः

$\frac{1}{2}$

(iii) त्रयो मत्स्याः

1

(iv) गच्छद्भिः

1

(ख) पद्यम् (अ) एकपदेन उत्तरत - - दो प्रश्न। प्रत्येक के लिए $\frac{1}{2}$ अंक।

$\frac{1}{2} \times 2 = 1$

(i) किंसखा

(ii) सर्वसम्पदः

(ब) पूर्णवाक्येन उत्तरत - एक प्रश्न के लिए 1 अंक।

1

यः हितात् न संशृणुते.....।

(स) यथानिर्देशम् उत्तरत - 4 प्रश्न।

- (i) सदानुकूलेषु $\frac{1}{2}$
(ii) किंप्रभुः $\frac{1}{2}$
(iii) सदानुकूलेषु 1
(iv) सर्वसम्पदः 1

(ग) नाट्यांशं (अ) एकपदेन उत्तरत - - दो प्रश्न । प्रत्येक के लिए $\frac{1}{2}$ अंक ।

$$\frac{1}{2} \times 2 = 1$$

- (i) चाणक्यस्य
(ii) प्रस्तरखण्डम्
(ब) पूर्णवाक्येन उत्तरत - एक प्रश्न के लिए 1 अंक ।
.....निःस्पृहत्यागिभिः..... ।
(स) यथानिर्देशम् उत्तरत - 4 प्रश्न ।

1

- (i) प्रस्तरखण्डम् $\frac{1}{2}$
(ii) शिष्यैः $\frac{1}{2}$
(iii) चाणक्याय 1
(iv) राजा 1

11 | प्रश्नों के उत्तर दीजिए

- (i) पञ्चतन्त्रम् , विष्णुशर्मा $1+1$
(ii) चारुदत्तः , विदूषकम्/ मैत्रेयम् $1+1$

12 | भाव-संबंधी इस प्रश्न में बच्चे केवल उत्तर लिख सकते हैं ।

$$2 \times 2 = 4$$

- अ (iii) दारिद्र्ये यस्य मनः न भ्रश्यते स एव दुर्लभः ।
ब (ii) संचितं हिमम् अनवरतं..... ।

अथवा /OR

- (i) विद्या (ii) विस्मृता (iii) स्थिरमूलाः (iv) शुष्यति

$$1 \times 4 = 4$$

13 | अन्वय-संबंधी इस प्रश्न में बच्चे मञ्जूषा से उत्तर चुन सकते हैं । बच्चे केवल उत्तर लिख सकते हैं ।

- अ (i) सुहृदः (ii) भवन्ति (iii) कर्म (iv) तस्य
ब (i) अनृतम् (ii) पन्थाः (iii) ऋषयः (iv) आक्रमन्ति

$$\frac{1}{2} \times 8 = 4$$

14 | अर्थ-संबंधी इस प्रश्न में बच्चे केवल उत्तर संख्या लिख सकते हैं ।

$$1 \times 4 = 4$$

- (i) न प्रयोजनमन्तरा (द) चाणक्यः स्वप्नेऽपि चेष्टते ।
(ii) एको हि दोषो गुणसन्निपाते (अ) निमज्जतीन्दोः किरणेष्विवाङ्कः ।
(iii) दारिद्र्यं खलु मनस्विनः (ब) पुरुषस्य सोच्छ्वासं मरणम् ।
(iv) मठेषु उत्कीर्णा लेखाः (स) तिब्बतशैल्याः परिचायकाः ।

15 | शब्दार्थ -संबंधी इस प्रश्न में बच्चे केवल क्रमसंख्या लिख सकते हैं अंक दिए जाएँ। वर्तनी आदि की दृष्टि से अंक अंशतः ही काटे जाएँ। प्रत्येक भाग के लिए 1 अंक।

अ (i) पूर्वदिशः

ब (i) जलानि

स (i) क्षणम्

द (ii) विनाशम्

1 × 4 = 4

खण्डः 'घ 2' (Section-D-II)(सामान्यः संस्कृतसाहित्यपरिचयः)

10 अङ्काः

16 | (अ) संक्षिप्त परिचय यहाँ एक-एक अंक रचना, देश और काल के लिए तथा दो अंक भाषा के लिए दिए जाएँ। इस प्रश्न में सरल संस्कृत वाक्य में लिख सकते हैं। वाक्यों में व्याकरण वर्तनी आदि की दृष्टि से अनुपाततः अंक काटे जाएँ न कि पूर्ण।

5

अथवा /OR

$\frac{1}{2} \times 10 = 5$

(i) नान्दी

(ii) सूत्रधारः

(iii) गीतिकाव्यम्

(iv) आयुर्वेदस्य

(v) गद्यम्

(vi) विष्णुशर्मा

(vii) सर्गेषु

(viii) कञ्चुकी

(ix) चाणक्यः

(x) बृहत्संहिताग्रन्थः

(ब) महाकाव्यानुरूप विशेषताओं सम्बन्धी इस प्रश्न में सरल संस्कृत वाक्य में लिख सकते हैं। किन्हीं पाँच प्रासंगिक विशेषताओं को लिखना होगा। वाक्यों में व्याकरण वर्तनी आदि की दृष्टि से अनुपाततः अंक काटे जाएँ न कि पूर्ण।

5

1 | सर्गबन्धयुक्तम्

2 | धीरोदात्तनायकयुक्तम्

3 | प्राकृतिकवर्णनयुक्तम्

4 | श्रृंगारो वीरो व रसः

5 | प्रख्यातकथायुक्तम् इत्यादिकम्।
